Date 04/06/20 D.El.Ed 2st Sem 2019-21

(सामाजिक अध्ययन) (1)

MISS DOLI
(Asst Professor)

भारत में प्रथम साम्राज्य की स्थापना

(FOUNDATION OF FIRST EMPIRE IN INDIA)

मौर्य वंश (MAURYAN DYNASTY)

छठी शताब्दी ईसा पूर्व भारत अनेक छोटे-छोटे राज्यों में विभाजित था। किसी भी एक राजवंश का एकछत्र राज्य नहीं था। सभी राज्य अपनी-अपनी मनमानी करते थे और आपस में लड़ते रहते थे कोई उन्हें रोकने वाला नहीं था मौर्य काल से ही भारतीय इतिहास में एक नए युग की शुरुआत हुई।

मौर्य वंश का संस्थापक चन्द्रगुप्त मौर्य था

प्रोफेसर पान्परी के अनुसार, —

भारत के राजनीतिक व्योम पर चन्द्रगुप्त के रूप में एक उदीयमान प्रकाशपूर्ण नक्षत्र का

Scanned with CamScanner

उदय हुआ, जिसने भारतीयों का नेता व राजा बनकर उत्तर-पश्चिमी भारत से अलुक्षेन्द्र (सिकन्दर) के यूनानी सैनिक गढ़ो और यवन क्षत्रपों को नष्ट-भ्रष्ट कर भारत के उस भू-भाग को वैदेशिक परतन्त्रता की बेड़ियों से मुक्त किया तथा अधार्मिक नन्दवंश के शूद्र राजा को उन्मूलित कर मगध में एक नए सूर्यवंश की प्रतिस्थापना की जो भारतीय इतिहास में मौर्य-वंश के नाम से प्रसिद्ध है।"

मौर्य इतिहास के स्त्रोत

(Sources of Mauryan History)

मौर्य इतिहास के सन्दर्भ में दो प्रकार के स्त्रोत उपलब्ध हैं-

1) साहित्यिक स्त्रोत — साहित्यिक स्त्रोतों में कौटिल्य का अर्थशास्त्र विशाखदत्त का मुद्राराक्षस, मेगस्थनीज की

इंडिका, बौद्ध साहित्य और पुराण है।

(i) अर्थशास्त्र → यह पुस्तक कौटिल्य (चाणक्य) के द्वारा राजनीति और शासन के बारे में लिखी गई है। यह पुस्तक मौर्यकाल के आर्थिक और राजनीतिक स्थिति के बारे में बताती है। कौटिल्य, चन्द्रगुप्त मौर्य का प्रधानमंत्री था।

(ii) मुद्रा राक्षस → यह पुस्तक गुप्तकाल में विशाखदत्त द्वारा लिखी गई। यह पुस्तक बताती है कि किस तरह चन्द्रगुप्त मौर्य ने चाणक्य की मदद से नन्द वंश को पराजित किया था।

(iii) इंडिका → इंडिका मेगस्थनीज द्वारा लिखी गई जो कि चन्द्रगुप्त मौर्य की सभा में (सेलकुस) सेल्यूकस निकेटर का दूत था।

Scanned with CamScanner

(iv) बौद्ध साहित्य — बौद्ध साहित्य जैसे जातक मौर्य काल के सामाजिक - आर्थिक स्थिति के विषय में बताते हैं।

(v) पुराण — पुराण मौर्य राजाओं और घटनाक्रमों की सूची के बारे में बताते हैं।

② पुरातात्विक स्त्रोत —

पुरातात्विक स्त्रोतों में अशोक के शिलालेख अभिलेख और वस्तुओं के अवशेष जैसे चाँदी और ताँबे के छेद किए हुए सिक्के शामिल हैं।

चन्द्रगुप्त मौर्य

→ मौर्य वंश का संस्थापक चन्द्रगुप्त ~~मौर्य~~ मौर्य था
- चन्द्रगुप्त मौर्य का जन्म 345 ई०

पू० में हुआ था

→ घुनानंद को हराने में चाणक्य ने चन्द्रगुप्त मौर्य की मदद की थी जो बाद में चन्द्रगुप्त का प्रधानमंत्री बना

→ चाणक्य (कौटिल्य / विष्णुगुप्त) द्वारा लिखित पुस्तक है अर्थशास्त्र है जिसका संबंध राजनीति से है

→ चन्द्रगुप्त मगध की राजगद्दी पर 322 ई० पू० में बैठा।

→ चन्द्रगुप्त जैन धर्म का अनुयायी था

→ चन्द्रगुप्त ने अपना अंतिम समय कर्नाटक के श्रवणबेलगोला नामक स्थान पर बिताया।

→ चन्द्रगुप्त ने 305 ई० पू० में सेल्यूकस निकेटर को हराया

→ सेल्यूकस निकेटर ने अपनी पुत्री कार्नेलिया की शादी चन्द्रगुप्त

Scanned with CamScanner

मौर्य के साथ कर दी और युद्ध की संधि-शर्तों के अनुसार चार प्रांत काबुल, कन्धार, हेरात एवं मकरान चन्द्रगुप्त को दिए

→ चन्द्रगुप्त मौर्य ने जैनी गुरु भद्रबाहु से जैनधर्म की दीक्षा ली थी।

→ प्लूटार्क के अनुसार चन्द्रगुप्त ने सेल्यूकस को 500 हाथी उपहार में दिए थे

→ चन्द्रगुप्त मौर्य की मृत्यु 298 ई० पू० में श्रवणबेलगोला में उपवास द्वारा हुई।

MISS DOLI
(Asst. Professor)

Scanned with CamScanner